

शामली जागरण

ई-पत्रिका



01-12-2017 To 31-12-2017

Volume-18

शामली जागरण

परिचय

स्थापना / वर्तमान बोर्ड गठन:—

यह निकाय 01 अगस्त 1949 से नगर पालिका घोषित की गयी थी। 01 अप्रैल 1954 से चतुर्थ श्रेणी, अक्टूबर 1959 से तृतीय श्रेणी तथा 01 अप्रैल, 1963 से द्वितीय श्रेणी में है। नगर पालिका परिषद शामली का क्षेत्रफल 26.23 वर्ग कि०मी० है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार नगर की जनसंख्या 1,07,233 है। वर्तमान में बोर्ड का गठन 19 जुलाई 2012 में हुआ है। श्री अरविन्द संगल अध्यक्ष एवं 25 सदस्य निर्वाचित हुए। शासन द्वारा 05 सदस्य नामित हैं तथा श्रेणीय विधायक एवं सांसद नगर पालिका के पदेन सदस्य हैं।

शामली जागरण

पार्क में महापुरुषों की मूर्तियाँ



शामली जागरण



श्री लालचन्द्र भारती
(अधिशाषी अधिकारी)

श्रीमती अंजना बंसल
(अध्यक्ष)

नगर पालिका परिषद, शामली दिसम्बर 2017 के ई-पत्रिका शामली जागरण में स्वागत है। दिसम्बर माह में हुये विकास कार्यों को ई-पत्रिका शामली जागरण के माध्यम से आपसब तक पहुँचाना चाहते हैं। शामली नगर पालिका प्रत्येक माह ई-पत्रिका शामली जागरण के द्वारा नगर पालिका में हुये विकास कार्यों को आपसब के सामने लाने का प्रयास करता है। जिससे शामली नगर पालिका परिषद के विकास और नई योजनाओं से लाभान्वित हो सके। नगर पालिका परिषद शामली का एक मात्र उद्देश्य नगर पालिका का विकास है। जिसमे बिना किसी भेद-भाव, सभी समुदायों के लोगो को एकसाथ लेकर आगे बढ़ने का उद्देश्य है। जिसके लिए नगर पालिका परिषद के निवासियों को इसमें सहयोग महत्वपूर्ण है। और नगर पालिका इसका उम्मीद करता है। नगरवासियों से अपील है की नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में नगर पालिका की मदद करे। अपने आस-पास साफ-सुथरा रखे। कूड़ा-कचरा डस्टबिन में रखे, गन्दगी न फैलाये। आने वाले कल अच्छा हो इसके लिये आज बेहतर बनायें।





Mr. Lal Chand Bharati
(Executive Officer)

I am happy to present the December 2017 issue to all of you. A number of projects have been commissioned in the month of December. The former will help smoothen the flow of traffic, reduce the travel time of citizens, ease the congestion and reduce pollution on nagar road. There have been a lot of lessons to learned and these insights will certainly stand in good stead with us in our endeavors in future. The one thing that stands out is the most active participation of citizens. We, the residence of the Nagar Palika Parishad Shamli respective of ages, castes, creeds, religions, localities have untidily participated in creation of Shamli's Swachh Nagar Palika Parishad proposal. As I look into the future with great expectation, it is this one aspect of the municipality which gives me the greatest hope. We in the Nagar Palika Parishad Shamli, would be very happy to receive your feedbacks on all matters that you feel are important.



शामली जागरण

I am delighted to present the tasks and issue of Shamli Nagar Palika by E-Patrika Shamli Jagaran in December 2017. Nagar Palika Parishad Shamli is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming years will surely be very hectic and eventful. Shamli promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Shamli should benefit Nagar Palika Parishad Shamli and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Shamli for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Shamli for supporting to develop Shamli.



नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती अंजना बंसल व् सभासद शपथ ग्रहण करते हुये व् शपथ समारोह में उपस्थित सम्मानित लोग ।



शामली स्थित अग्रसेन बारातघर में सभासदों को शपथ दिलातीं चेयरमैन अंजना बंसल। अमर उजाला



शामली स्थित अग्रसेन बारातघर में चेयरमैन अंजना बंसल के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद गणमान्य लोग। अमर उजाला













गुरु गोविंद सिंह जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ !

गुरु गोविंद सिंह जी सिखों के दसवें गुरु हैं। इतिहास में गुरु गोविंदसिंह एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व हैं। वे एक महान कर्मप्रणेता, अद्वितीय धर्मरक्षक, ओजस्वी वीर रस के कवि के साथ ही संघर्षशील वीर योद्धा भी थे। उनमें भक्ति और शक्ति, ज्ञान और वैराग्य, मानव समाज का उत्थान और धर्म और राष्ट्र के नैतिक मूल्यों की रक्षा हेतु त्याग एवं बलिदान की मानसिकता से ओत-प्रोत अटूट निष्ठा तथा दृढ़ संकल्प की अद्भुत प्रधानता थी। तभी स्वामी विवेकानंद ने गुरुजी के त्याग एवं बलिदान का विश्लेषण करने के पश्चात कहा है कि ऐसे ही व्यक्तित्व के आदर्श सदैव हमारे सामने रहना चाहिए।

गुरुनानक देव की ज्योति इनमें प्रकाशित हुई, इसलिए इन्हें दसवीं ज्योति भी कहा जाता है। बिहार राज्य की राजधानी पटना में गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 1666 ई. को हुआ था। सिख धर्म के नौवें गुरु तेगबहादुर साहब की इकलौती संतान के रूप में जन्मे गोविंद सिंह की माता का नाम गुजरी था।

इस दौरान उन्होंने जगह-जगह सिख संगत स्थापित कर दी। गुरु तेगबहादुर जी जब अमृतसर से आठ सौ किलोमीटर दूर गंगा नदी के तट पर बसे शहर पटना पहुंचे तो सिख संगत ने अपना अथाह प्यार प्रकट करते हुए उनसे विनती की कि वे लंबे समय तक पटना में रहें। ऐसे समय में नवम् गुरु अपने परिवार को वहीं छोड़कर बंगाल होते हुए आसाम की ओर चले गए।

पटना में वे अपनी माता नानकी, पत्नी गुजरी तथा कृपालचंद अपने साले साहब को छोड़ गए थे। पटना की संगत ने गुरु परिवार को रहने के लिए एक सुंदर भवन का निर्माण करवाया, जहां गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ। तब गुरु तेगबहादुर को आसाम सूचना भेजकर पुत्र प्राप्ति की बधाई दी गई।

पंजाब में जब गुरु तेगबहादुर के घर सुंदर और स्वस्थ बालक के जन्म की सूचना पहुंची तो सिख संगत ने उनके अगवानी की बहुत खुशी मनाई। उस समय करनाल के पास ही सिआणा गांव में एक मुसलमान संत फकीर भीखण शाह रहता था। उसने ईश्वर की इतनी भक्ति और निष्काम तपस्या की थी कि वह स्वयं परमात्मा का रूप लगने लगा।

पटना में जब गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ उस समय भीखण शाह अपने गांव में समाधि में लिप्त बैठे थे। उसी अवस्था में उन्हें प्रकाश की एक नई किरण दिखाई दी जिसमें उसने एक नवजात जन्मे बालक का प्रतिबिम्ब भी देखा। भीखण शाह को यह समझते देर नहीं लगी कि दुनिया में कोई ईश्वर के प्रिय पीर का अवतरण हुआ है। यह और कोई नहीं गुरु गोविंद सिंह जी ही ईश्वर के अवतार थे।

"चिड़ियों से मैं बाज तड़ाऊं।
सवा लाख से एक लड़ाऊं। तभी
गोबिंद सिंह नाम कहाऊं।"

Guru Gobind Singh

December 22, 1666 - October 7, 1708





स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले में शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

जब होगी हर डगर, हर गली साफ ।
तो ही पूरी होगी स्वच्छ भारत की आस ॥

हर गाँव हर शहर होगा जब साफ ।
तभी हो पाएगा देश का सही विकास ॥

स्वच्छ भारत अभियान है एक आस ।
ताकि हो भारत देश का सम्पूर्ण विकास ॥

स्वच्छता ही है एक मात्र उपाय ।
जो सभी को हमेशा स्वस्थ बनाए ॥

स्वच्छता है महा अभियान ।

स्वच्छता में दीजिए अपना योगदान ॥

हाथ से हाथ मिलाना है
गंदगी नहीं फैलाना है
स्वच्छता को अपनाना है

स्वच्छ भारत मिशन शामली

श्री लालचन्द्र भारती
(अधिकांश अधिकारी)

श्रीमती अंजना बंसल
(अध्यक्ष)

Contact Us



: www.fageosystems.in



: info@fageosystems.in

Tel/Fax : 01204349756